मुर्गियों की नई विकसित नस्लें

कृषि कुंभ (नवंबर 2023),
खण्ड 03 अंक 06, पृष्ठ संख्या 80–87

मुर्गियों की नई विकसित नस्लें

हर्षल एस. बोकडे[1] डॉ. दर्शना बी. भैसारे[2] डॉ. मुकुंद एम.कदम[3] एवं ओम पवार[4]

[1,4]स्नातकोत्तर विद्यार्थी, [2]सहायक प्राध्यापक, [3]सहयोगी प्राध्यापक,
[1,2,3,4]कुक्कुटपालनशास्त्र विभाग, नागपूर पशुवैद्यक महाविद्यालय, नागपूर, भारत।

Email Id: darshanabhaisare@gmail.com

कुक्कुट व्यवसाय शुरू करने से पहले, आपको अंडा उत्पादन या मांस उत्पादन उद्देश्यों के लिए मुर्गियों की नस्लों पर विचार करने की आवश्यकता है। कुक्कुट पालन में कई पक्षी जैसे मुर्गियां, बत्तख, टर्की, बटेर, इमू आदि शामिल हैं। मनुष्यों की तरह, प्रकृति के प्रभाव के कारण, विभिन्न क्षेत्रों में विभिन्न रंगों, विशेषताओं और उपयोग वाले पक्षियों के झुंड विकास के मार्ग के साथ उभरे। यदि आप जानते हैं कुक्कुटपालन उद्योग शुरू करने से पहले हम पक्षियों की सही नस्ल का चुनाव कर सकते हैं. आज दुनिया में मुर्गियों की लगभग 300 नस्लें हैं। भारत में पाई जाने वाली मुर्गियों की लगभग 19 नस्लों को देशी नस्लों के रूप में जाना जाता है। उत्पादन बढ़ाने के लिए विदेशी नस्ल के मुर्गों का आयात किया जा रहा है। कभी–कभी दो नस्लों के संकर से संकर मुर्गियां पैदा की गई हैं।मुर्गियों की उपयोगिता के अनुसार आम तौर पर मुर्गियों की नस्लों को मांस की नस्लों, अंडा देने वाली नस्लों, संकर नस्लों, गेम बर्ड, सजावटी नस्लों आदि में वर्गीकृत किया जा सकता है। लेकिन व्यावसायिक दृष्टिकोण से, नव विकसित संकर किसानों के उत्पादन को बढ़ाने और अच्छा लाभ कमाने में सहायक होते हैं।

संकर मुर्गियों के विशेषताएँ:

- क्रॉसब्रेड मुर्गियों को कठोर वातावरण और साधारण घोंसलों में पाला जा सकता है और वे आसानी से उपलब्ध फीड पर पनप सकते हैं।
- संकर नस्ल की मुर्गियों में, दो अंतर–अंडा उत्पादन श्रृंखलाओं के बीच का अंतर कम हो जाता है।
- इन मुर्गियों के मांस और अंडों में देशी मुर्गियों के समान स्वाद और पोषक तत्व होते हैं, लेकिन वसा में कम होते हैं।
- मुर्गियां अपनी उच्च रोग प्रतिरोधक क्षमता के कारण विभिन्न रोगों का शिकार नहीं होती हैं।
- इन मुर्गियों की फीड रूपांतरण दर अच्छी होती है और फीड में आसानी से उपलब्ध फीड सामग्री का उपयोग किया जा सकता है, जैसे– चावल का आटा, चावल के गुच्छे, दालें, इ.।
- लगभग आठ सप्ताह में पक्षी का वजन 1250 ग्राम हो जाता है। भोजन से मांस का रूपांतरण अनुपात 2.2 है।
- अंडे का वजन (55–63 ग्राम) देशी मुर्गियों की तुलना में अधिक होता है।
- मुर्गियां बॅकयार्ड कुक्कुट के लिए उपयुक्त हैं और आसानी से देशी मुर्गियों के साथ संकरण कराया जा सकता है।
- • अंडा उत्पादन के लिए कैरी निर्भीक, उपकारी, कैरिश्याम, हितकारी, ग्रामप्रिया, गिरिराजा, कृषि–ब्रो, वनराज, गिरिरानी जैसी विभिन्न नस्लों को विभिन्न स्थानों पर विकसित किया गया है।

विभिन्न संगठनों द्वारा विकसित संकर मुर्गियों की नस्लें

	नस्ल	संगठन का नाम	उत्पादकता
1.	गिरिराज	वेटरनरी कॉलेज, बैंगलोर	अंडे और मांस
2.	गिरिरानी	वेटरनरी कॉलेज, बैंगलोर	अंडा
3.	वनराजा	कुक्कुट अनुसंधान निर्देशालय, हैदराबाद	अंडे और मांस
4.	ग्रामप्रिया	कुक्कुट अनुसंधान निर्देशालय, हैदराबाद	अंडा
5.	कृषी-ब्रो	कुक्कुट अनुसंधान निर्देशालय, हैदराबाद	अंडे और मांस
6.	कृषी-जे	वेटरनरी कॉलेज, जबलपुर	अंडा
7.	हितकॅरी	केंद्रीय पक्षी अनुसंधान संस्थान, इज्जतनगर	अंडे और मांस
8.	उपकॅरी	केन्द्रीय पक्षी अनुसंधान संस्थान, इज्जतनगर	अंडे और मांस
9.	कॅरी निर्भीक	केन्द्रीय पक्षी अनुसंधान संस्थान, इज्जतनगर	अंडा
10.	कॅरी श्यामा	केन्द्रीय पक्षी अनुसंधान संस्थान, इज्जतनगर	अंडा
11.	कॅरी सोनाली	केन्द्रीय पक्षी अनुसंधान संस्थान, इज्जतनगर	अंडा
12.	कॅरीब्रो विशाल	केन्द्रीय पक्षी अनुसंधान संस्थान, इज्जतनगर	मांस
13.	कॅरीब्रो धनराजा	केन्द्रीय पक्षी अनुसंधान संस्थान, इज्जतनगर	मांस
14.	कलिंगा ब्राउन	केंद्रीय कुक्कुट विकास संगठन, भुवनेश्वर	अंडा
15.	कड़कनाथ	झबुआ एवं धार जिला (मध्यप्रदेश)	अंडा और मांस
16.	स्वर्णधारा	कुक्कुट विज्ञान विभाग, पशु विज्ञान विश्वविद्यालय, बैंगलोर (कर्नाटक)	
17.	सतपुड़ा	यशवंत एग्रीटेक प्राइवेट लिमिटेड, जलगाँव, महाराष्ट्र	अंडा और मांस
18.	कावेरी	सेंट्रल पोल्ट्री डेवलपमेंट एसोसिएशन, मुंबई (महाराष्ट्र)	अंडा
19.	प्रतापधन	महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, उदयपुर, राजस्थान	अंडा और मांस
20.	श्रीनिधि	कुक्कुट अनुसंधान निर्देशालय, हैदराबाद	अंडा और मांस
21.	कामरूपा	असम कृषि विश्वविद्यालय, गुवाहाटी	अंडा और मांस
22.	नर्मदा निधि	वेटरनरी कॉलेज, जबलपुर	अंडा एवं मांस
23.	कॅरी देवेंद्र	केन्द्रीय पक्षी अनुसंधान संस्थान, इज्जतनगर	अंडा एवं मांस
24.	कॅरीब्रो ट्रॉपिकाना	केन्द्रीय पक्षी अनुसंधान संस्थान, इज्जतनगर	
25.	इंडब्रो ब्राऊन लेअर	इंडब्रो रिसर्च एंड ब्रीडिंग फार्म प्राइवेट लिमिटेड, हैदराबाद	अंडा एवं मांस
26.	झारसिम	बिरसा कृषि विश्वविद्यालय, रांची (झारखंड)	अंडा एवं मांस
27.	ग्रामलक्ष्मी	केरल कृषि विश्वविद्यालय, पशु चिकित्सा महाविद्यालय, केरल	अंडा
28.	श्वेतप्रिया	कुक्कुट अनुसंधान निदेशालय, हैदराबाद	अंडा
29.	नंदनम चिकन - I	तमिलनाडु पशु चिकित्सा और पशु विज्ञान विश्वविद्यालय, चेन्नई (तमिलनाडु)	अंडा और मांस
30.	नंदनम चिकन - II	तमिलनाडु पशु चिकित्सा और पशु विज्ञान विश्वविद्यालय, चेन्नई (तमिलनाडु)	मांस
31.	नंदनम चिकन - IV	तमिलनाडु पशु चिकित्सा और पशु विज्ञान विश्वविद्यालय, चेन्नई (तमिलनाडु)	अंडा और मांस
32.	ग्रामश्री	केरल कृषि विश्वविद्यालय (केरल)	

गिरिराज

इस नस्ल को वेटरनरी कॉलेज, हेब्बल, बैंगलोर द्वारा विकसित किया गया था। यह मांस और अंडा उत्पादन के लिए उपयोगी है। एक नर पक्षी लगभग 4 किलो तक बढ़ता है जबकि मादा 3 किलो तक बढ़ती है। अंडा उत्पादन की उम्र 22–23 सप्ताह होती है और ये पक्षी प्रति वर्ष 180–190 अंडे देते हैं।

वनराजा

वनराजा किस्म को अनुसंधान निदेशालय, हैदराबाद द्वारा विकसित किया गया है। यह नस्ल कोर्निश और स्थानीय नस्लों का संकर है। यह अंडा और मांस उत्पादन के लिए उपयोगी है। हल्के वजन, लंबी टांगों के कारण अपना बचाव कर सकते हैं। यह नस्ल ग्रामीण और आदिवासी क्षेत्रों में बैकयार्ड पोल्ट्री के लिए उपयोगी है। यह प्रति वर्ष 160–180 अंडे देती है।

ग्रामप्रिया

ग्रामप्रिया नस्ल को कुक्कुट अनुसंधान निदेशालय, हैदराबाद द्वारा विकसित किया गया है। यह नस्ल मुख्य रूप से अंडा उत्पादन के लिए उपयोगी है। चूंकि इन मुर्गियों का वजन नियमित होता है, इसलिए वे अन्य शिकारियों से आसानी से अपना बचाव कर सकते हैं। अतः यह नस्ल बॅकयार्ड में अंडा उत्पादन करने वाली कुक्कुटों के लिए लाभदायक है। यह व्हाइट लेघोर्न और स्थानीय नस्ल के बीच एक संकरण है। यह 72 सप्ताह में 200 से 225 अंडे देती है।

कृषि–ब्रो

कृषि–ब्रो को कुक्कुट अनुसंधान निदेशालय, हैदराबाद द्वारा विकसित किया गया है। इस नस्ल की विशेषता शरीर पर आकर्षक रंगीन पंख और गर्म तापमान के अनुकूल होने की क्षमता है। यह नस्ल मांस उत्पादन के लिए अच्छी होती है और इसकी रोग प्रतिरोधक क्षमता बहुत अच्छी होती है। 6 हफ्ते में वजन 1.2 किलो तक बढ़ता है।

हितकॅरी

इस नस्ल को केंद्रीय पक्षी अनुसंधान संस्थान, इज्जतनगर द्वारा विकसित किया गया है। दो नस्लों, कॅरी रेड और नेकेड नेक का एक संकर, यह नस्ल मुख्य रूप से गर्म जलवायु और उच्च आर्द्रता वाले क्षेत्रों के लिए अनुकूलित है। इस नस्ल की अंडा उत्पादन आयु 172 दिन है और यह प्रति वर्ष 174 अंडे देती है।

कॅरी निर्भीक

केंद्रीय कुक्कुट अनुसंधान संस्थान, इज्जतनगर द्वारा विकसित यह नस्ल असिल और कॅरी रेड की संकर नस्ल है। इस नस्ल के नर पक्षी 3–4 किलोग्राम और मादा पक्षी 2–3 किलोग्राम तक बढ़ते हैं। इस नस्ल की अण्डा उत्पादन आयु 176 दिन है तथा यह प्रति वर्ष 198 अण्डे देती है। ये पक्षी 10 हफ्ते में 1.35 किलो तक बढ़ जाते हैं।

उपकॅरी

केंद्रीय कुक्कुट अनुसंधान संस्थान, इज्जतनगर द्वारा विकसित यह नस्ल स्थानीय, फ्रिजल और कॅरी रेड नाम की तीन नस्लों का एक संकर है। चिकन की इस नस्ल में उच्च रोग प्रतिरोध, गर्म जलवायु में जीवित रहने की क्षमता और उच्च उत्पादन क्षमता है। इसकी अंडा उत्पादन आयु 170 से 180 दिन होती है और प्रति वर्ष 165–180 अंडे देती है।

कॅरीश्यामा

केंद्रीय पक्षी अनुसंधान संस्थान, इज्जतनगर द्वारा विकसित यह नस्ल कड़कनाथ और कॅरी रेड का संकर है। इस नस्ल के मुर्गे का मांस काला होता है और इनके मांस और अंडों में आयरन की मात्रा अधिक होती है, इसलिए इन्हें औषधीय माना जाता है। इस नस्ल की अण्डा उत्पादन आयु 180 दिन है तथा यह प्रति वर्ष 105 अण्डे देती है।

कॅरी सोनाली

इस नस्ल को केंद्रीय पक्षी अनुसंधान संस्थान, इज्जतनगर द्वारा 1992 में व्हाइट लेघोर्न मेल और रोड आइलैंड रेड फीमेल को क्रॉस करके विकसित किया गया था। इस नस्ल की अण्डा उत्पादन आयु 155 दिन है तथा यह 72 सप्ताह में 280 अण्डे देती है।

कॅरीब्रो विशाल

केंद्रीय पक्षी अनुसंधान संस्थान, इज्जतनगर द्वारा विकसित इस नस्ल को मुख्य रूप से मांस उत्पादन के लिए पाला जाता है। 6 सप्ताह में इन पक्षियों का वजन 1.65–1.7 किलोग्राम और 7वें सप्ताह में बढ़कर 2–2.15 किलोग्राम हो जाता है। साथ ही भोजन को मांस में बदलने की क्षमता 1.85 है।

कॅरीब्रो धनराजा

इस नस्ल को केंद्रीय पक्षी अनुसंधान संस्थान, इज्जतनगर द्वारा विकसित किया गया है। इस नस्ल को रंगीन पंख वाली मुर्गियों के रूप में जाना जाता है, ये पक्षी अधिक प्यारे होते हैं और अधिकतम ड्रेसिंग प्राप्त करते हैं और इस प्रकार के पक्षियों से लाभ अधिक होता है। सातवें सप्ताह में पक्षी 2–2.15 किलोग्राम तक बढ़ते हैं।

कलिंगा ब्राउन

यह नस्ल केंद्रीय कुक्कुट विकास संगठन, भुवनेश्वर द्वारा विकसित की गई है। इस नस्ल को व्हाइट लेघोर्न और रोड आइलैंड रेड को क्रॉस करके विकसित किया गया है। इस नस्ल का वार्षिक अंडा उत्पादन 262 है।

कड़कनाथ (अंडा और मांस)

स्थान :– झबुआ एवं धार जिला (मध्यप्रदेश)

विशेषता :– औषधीय गुण

मांस एवं रक्त का रंग गहरा होता है।

मांस और अंडे प्रोटीन और आयरन में उच्च होते हैं।

शरीर का वजन 920 ग्राम (20 सप्ताह)

अंडे देने की उम्र – 180 दिन

अंडे का उत्पादन – 105 अंडे प्रति वर्ष

स्वर्णधारा

स्थान :– कुक्कुट विज्ञान विभाग, पशु विज्ञान विश्वविद्यालय, बैंगलोर (कर्नाटक)

विशेषताएँ :– मादा का भार – 1.3–1.5 किग्रा (8 सप्ताह)

अंडा उत्पादन – 190 – 200 अंडे प्रति वर्ष

सातपुड़ा (अंडे और मांस)

स्थान :– यशवंत एग्रीटेक प्राइवेट लिमिटेड, जलगाँव महाराष्ट्र

विशेषताएं :– शरीर का वजन – 1,000 किग्रा.

अंडा उत्पादन प्रति वर्ष 110–120 अंडे

कावेरी (अंडे)

स्थान :– केंद्रीय कुक्कुट विकास संगठन, बेंगलुरु (कर्नाटक)

विशेषताएँ :– अंडा उत्पादन – 180 अंडे प्रति वर्ष

मादा वजन 1.6 किग्रा।

प्रतापधन (अंडे और मांस)

स्थान :– महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, उदयपुर, राजस्थान

विशेषताएँ :– नर का वजन 1.5 से 3.45 कि .ग्रा

मादा का वजन 1.2 से 2.7 किग्रा

अंडे देने की उम्र – 170 दिन

अंडा उत्पादन प्रति वर्ष 161 अंडे

श्रीनिधि (अंडे और मांस)

स्थान :– कुक्कुट अनुसंधान निदेशालय, हैदराबाद

विशेषताएं :– अंडा उत्पादन – 228 अंडे प्रति वर्ष

नर का वजन :– 2. 4 किग्रा (15 सप्ताह पर)

अंडे देने की उम्र – 160 दिन

कामरूपा (अंडा और मांस)

स्थानः– असम कृषि विश्वविद्यालय, गुवाहाटी (असम)

विशेषताएंः– नर वजन –2.2 किग्रा (40 सप्ताह पर)

अंडा उत्पादन – 130–150 अंडे

नर्मदा निधि (अंडा एवं मांस)

स्थान :– पशुचिकित्सा महाविद्यालय, जबलपुर (मध्य प्रदेश)

विशेषताएंः– नर वजन 1.5 से 2 किलोग्राम (20 सप्ताह)

मादा का वजन 1.3 से 1.7 किलोग्राम

अंडा उत्पादनः– 181 अंडे प्रति वर्ष

कॅरी देवेंद्र (अंडे एवं मांस)

स्थान :– केन्द्रीय कुक्कुट अनुसंधान संस्थान, बरेली

विशेषताएंः– शरीर का वजन – 1.700 से 1.800 किग्रा

एफ. सी.आर – 2.5– 2.6

अंडे देने की उम्र = 155–160 दिन

अंडा उत्पादन – प्रति वर्ष 190–200 अंडे.

कॅरीब्रो ट्रॉपिकाना

स्थान :–केन्द्रीय कुक्कुट अनुसंधान संस्थान, बरेली (उ.प्र.)

विशेषताएंः – शरीर का वजन। – 1.800 किग्रा (6 सप्ताह)

एक.सी. आर– 2.11

ड्रेसिंग प्रतिशत 74:

क्रॉसब्रीड → नेकेड नेक फ्रिजल पक्षी X ब्रायलर पक्षी

इंडब्रो ब्राऊन लेअर (अंडे और मांस)

स्थान :– इंडब्रो रिसर्च एंड ब्रीडिंग फार्म प्राइवेट लिमिटेड, हैदराबाद

विशेषताएंः– शरीर का वजन 1.650 कि. ग्रा

अंडे देने की उम्र 140 दिन

अंडा उत्पादन प्रति वर्ष 300–320 अंडे।

झारसिम (अंडे और मांस)

स्थान :– बिरसा कृषि विश्वविद्यालय, रांची (झारखंड)

विशेषताएँ :– नर वजनः– 1.6 से 1.8 किग्रा (25 सप्ताह)

अंडा उत्पादन प्रति वर्ष 165–170 अंडे।

अंडे देने की उम्र 175 से 150 दिन

ग्रामलक्ष्मी

स्थान :– केरल कृषि विश्वविद्यालय, पशु चिकित्सा महाविद्यालय , केरल

विशेषताएं – अंडे देने की शुरुआतः –140 दिन

अंडा उत्पादन – 180–200 प्रति वर्ष

वजन – 1.7 किग्रा

श्वेतप्रिया (अंडा)

स्थानः– कुक्कुट अनुसंधान निदेशालय, हैदराबाद (तेलंगाना)

विशेषताएंः– अंडा उत्पादन (200, अंडे प्रति वर्ष)

संकरः– पी. बी. 1 X नेकेड नेक

नंदनम चिकन– I (अंडा और मांस)

स्थान – तमिलनाडु पशु चिकित्सा और पशु विज्ञान विश्वविद्यालय, चेन्नई (तमिलनाडु)

विशेषताएं :– अंडे का उत्पादन – प्रति वर्ष 180 अंडे वजन – .1 किग्रा (12 सप्ताह)

नंदनम चिकन – II (मांस)

स्थान – तमिलनाडु पशु चिकित्सा और पशु विज्ञान विश्वविद्यालय, चेन्नई (तमिलनाडु)

विशेषताएं :– पुरुष का वजन – 1.44 किग्रा। (8 सप्ताह

एफ.सी. आर – 2.66

नंदनम चिकन– IV (अंडा और मांस)

स्थान – तमिलनाडु पशु चिकित्सा और पशु विज्ञान विश्वविद्यालय, चेन्नई (तमिलनाडु)

विशेषताएं – अंडा उत्पादन – 225 अंडा प्रति वर्ष

ग्रामश्री

स्थान – केरल कृषि विश्वविद्यालय (केरल)

विशेषताएं :– अंडा उत्पादन – 180 प्रति वर्ष